# भारतीय रिजर्व बैंक और बैंक ऑफ इंडिया का मेगा वित्तीय समावेशन शिविर

रांची (आजाद सिपाही)। भारतीय रिजर्व बैंक और बैंक ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में एक मेगा वित्तीय समावेशन शिविर का आयोजन रांची के टांगर स्थित पंचायत भवन में किया गया। इस शिविर का उद्देश्य लोगों को वित्तीय प्रणाली और उसकी सुविधाओं से जोड़ना और सुनिश्चित करना है कि सभी नागरिक इन सुविधाओं का लाभ उठा सकें। शिविर में पुनः केवाइसी, जन धन खातों में विवरण अद्यतन करना, सामाजिक सुरक्षा बीमा एवं पेंशन योजनाओं का लाभ दिलाना और आवश्यक वित्तीय जानकारी प्रदान करना शामिल था। भारतीय रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन प्रसाद सिंह ने कहा कि यह शिविर लोगों को वित्तीय प्रणाली से जोड़ने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। बैंक ऑफ इंडिया के कार्यपालक निदेशक पीआर राजगोपाला ने कहा कि बैंक देश के हर नागरिक तक बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने बताया कि बैंक ने हाल ही में कई ब्रांचों और डिजिटल टचपॉइंट्स के माध्यम से दस्तावेज रहित खाता खोलने, माइक्रो क्रेडिट, बीमा और अन्य सेवाओं का विस्तार किया है। भारतीय रिजर्व बैंक, रांची कार्यालय द्वारा अक्टूबर 2024 से विशेष प्रयास किये जा रहे हैं जिसके तहत 12 लाख से अधिक खातों में पुनः केवाइसी प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। झारखंड राज्य का प्रदर्शन इस संदर्भ में उल्लेखनीय रहा है। बैंक ऑफ इंडिया की सतत पहल से आने वाले वर्षों में समाज के वंचित वर्गों, महिलाओं, युवाओं और छोटी व्यवसाय इकाइयों को और अधिक आर्थिक ताकत मिलने की उम्मीद है। बैंक वित्तीय समावेशन के लिए प्रतिबद्ध है और देशवासियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में अग्रसर है।

आज़ाद सिपाही, राँची, 14 अगस्त 2025